



## 93566 - वह रेडियो के अज्ञान पर इफ्तार करे या निकट के मुअज़्ज़िन का पालन करे ?

### प्रश्न

मेरा दोस्त कहता है कि वह टेलीवीज़न पर प्रसारित किए जाने वाले अज्ञान के साथ रोज़ा इफ्तार करता है। जबकि उसके करीब की मस्जिद में, जिसके अलावा की अज्ञान वह नहीं सुनता है, इसके बाद अज्ञान होती है। तथा वह कहता है कि इस मस्जिद में दूसरी मस्जिदों के बाद अज्ञान दी जाती है। जबकि ज्ञात रहे कि हमारे शहर में हमेशा रेडियो पर प्रसारित किए जाने वाले अज्ञान का पालन किया जाता है, तो क्या यह सही है या कि उसके ऊपर अपने निकट की मस्जिद का पालन करना अनिवार्य है जबकि उस में रेडियो के अज्ञान से विलंब किया जाता है ?

### विस्तृत उत्तर

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह तआला के लिए योग्य है।

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह के लिए योग्य है।

रोज़ा इफ्तार करने का आधार सूरज के डूबने पर है, जैसाकि नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया : "जब रात यहाँ (पूरब) से आ जाए और दिन यहाँ (पच्छिम) से चला जाए, और सूरज डूब जाए, तो रोज़े दार के इफ्तार का समय हो गया।" इसे बुखारी (हदीस संख्या : 1954) और मुस्लिम (हदीस संख्या : 1100) ने रिवायत किया है।

और रोज़ा इफ्तार करने के लिए मुअज़्ज़िन के अज्ञान पर भरोसा करने में कोई आपत्ति की बात नहीं है ; क्योंकि वह सूरज के डूबने के गालिब गुमान होने का लाभ देता है।

कुछ मुअज़्ज़ि लोग रोज़े के लिए एहतियात (सावधानी) अपनाते हुए अज्ञान देने में थोड़ा विलंब करते हैं। यह व्यवहार गलत और सुन्नत के विरुद्ध है, जैसा कि प्रश्न संख्या (12470) के उत्तर में इसका वर्णन हो चुका है।

यदि आपका शहर रेडियो पर प्रसारित किए जाने वाले अज्ञान का पालन करता है, तो आप के लिए रेडियो के अज्ञान पर भरोसा करना बेहतर है ; क्योंकि वह अधिक सूक्ष्म का पात्र है। और अल्लाह तआला ही सबसे अधिक ज्ञान रखता है।